भारत - कतर संबंध

विविध क्षेत्रों में भारत और कतर के बीच सहयोग ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ रिश्तों तथा नियमित एवं सारवान भागीदारी के माध्यम से उपलब्ध एक उत्कृष्ट रूपरेखा में निरंतर बढ़ रहा है, जिसमें दोनों सरकारों के बीच सर्वोच्च स्तर पर भागीदारी शामिल है। विशाल, विविध, निपुण एवं अत्यधिक सम्मानित भारतीय समुदाय कतर की प्रगति में तथा दोनों देशों के बीच गहरी मैत्री एवं बहु आयामी सहयोग के रिश्तों को पोषित करने में महत्वपूर्ण योगदान कर रहा है।

जब 16 मई 2014 को भारत में पिछले आम चुनावों के परिणामों की घोषणा हुई थी तब कतर के प्रधानमंत्री तथा आंतरिक सुरक्षा मंत्री (क्यू पी एम) से शेख अब्दुल्ला बिन नासेर अल थानी ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को फोन पर बधाई दी थी। क्यू पी एम को धन्यवाद देने के लिए अपने ट्वीट में प्रधानमंत्री ने लिखा था : "हम भारत - कतर संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।" कतर का नेतृत्व प्रधानमंत्री के इस मंतव्य से पूरी तरह सहमत है।

माननीय राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के निमंत्रण पर कतर के अमीर महामहिम शेख तमीम बिन हमाद अल थानी की भारत की राजकीय यात्रा ने सर्वोच्च स्तर पर भागीदारी के लिए दोनों पक्षों को एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया तथा हमारे द्विपक्षीय संबंधों को एक नई ताजगी प्रदान की। पूर्व अमीर (अब वर्तमान अमीर के पिता) महामहिम शेख हमाद बिन खलीफा अल थानी ने अप्रैल 1999, अप्रैल 2005 और अप्रैल 2012 में भारत का तीन बार दौरा किया था। पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने नवंबर, 2008 में कतर की यात्रा की।

मार्च 2015 में महामहिम अमीर की यात्रा कई तरीकों से बहुत ही उल्लेखनीय थी। यह अमीर की ओर से भारत की पहली यात्रा थी, जो ऐसा देश है जिसके साथ कतर के संबंध सदियों पुराने हैं। मई 2014 में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद अरब के किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष की यह पहली यात्रा थी।

अमीर की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने अन्य बातों के साथ ऊर्जा, विद्युत, भेषज पदार्थ, निवेश, अवसंरचना, विकास, परियोजना निर्यात, शिक्षा, संस्कृति, स्वास्थ्य, मानव संसाधन, मीडिया एवं संचार सहित आपसी हित के प्रमुख क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच विद्यमान समानताओं का बेहतर ढंग से उपयोग करके और द्विपक्षीय भागीदारी को और विस्तृत एवं गहन करके एक अग्रदशी साझेदारी का निर्माण करने के उपायों एवं तरीकों पर चर्चा की। इस यात्रा के दौरान निम्नलिखित क्षेत्रों में छः करारों / एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए : (i) सजायाफ्ता व्यक्तियों का अंतरण; (ii) विदेश सेवा संस्थान, विदेश मंत्रालय तथा राजनयिक संस्थान, एम एफ ए के बीच परस्पर सहयोग; (iii) सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी में सहयोग; (iv) पर्यावरणीय एवं महासागर विज्ञानों में सहयोग; (v) रेडियो एवं टेलीविजन में सहयोग; और (vi) कतर न्यूज एजेंसी तथा यूनाइटेड न्यूज एजेंसी के बीच परस्पर सहयोग तथा समाचार का आदान प्रदान।

भारत की अपनी यात्रा से पूर्व अमीर ने भारत और कतर के बीच गहरे संबंधों तथा बहुआयामी सहयोग के बारे में उनको पत्र लिखने तथा यह पत्र प्रस्तुत करने के लिए 11 और 12 फरवरी 2015 को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार श्री अजीत दोभाल को दोहा भेजने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की दिल से प्रशंसा की। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की यात्रा हमारी ओर से भारत में वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद पहली उच्च स्तरीय यात्रा थी। प्रधानमंत्री के पत्र में व्यक्त भावनाओं का गर्मजोशी से जवाब देते हुए अमीर ने भारत - कतर साझेदारी के महत्व पर जोर दिया, कतर में भारतीय समुदाय के योगदान की प्रशंसा की और कहा कि वह भारत की अपनी पहली यात्रा की बहुत उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कतर के प्रधानमंत्री तथा आंतरिक सुरक्षा मंत्री एवं विदेश मंत्री से भी मुलाकात की।

विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज और कतर के विदेश मंत्री (क्यू एफ एम) डा. खालिद बिन मोहम्मद अल अतिया ने कई बार फोन पर बात की है तथा सितंबर 2014 एवं सितंबर 2015 में न्यूयार्क में 69वें एवं 70वें यू एन जी ए के दौरान अतिरिक्त समय में भारत - जी सी सी की मंत्री स्तरीय बैठक में मुलाकात भी की है; 30 सितंबर 2015 को आयोजित बैठक की सह अध्यक्षता विदेश मंत्री तथा क्यू एफ एम द्वारा की गई क्योंकि इस समय कतर जी सी सी का अध्यक्ष है।

70वें यू एन जी ए सत्र की पूर्व संध्या पर अमीर ने संयुक्त राष्ट्र सुधार तथा अन्य बहुपक्षीय मुद्दों पर प्रधानमंत्री की ओर से एक पत्र प्राप्त किया जिसमें पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (आई डी वाई) के लिए कतर के समर्थन के लिए भारत ने धन्यवाद व्यक्त किया था।

भारत की वर्तमान सरकार के सत्ता में आने के बाद से दोनों देशों के बीच उच्च स्तर पर अन्य संपर्क भी हुए हैं। सहायक विदेश मंत्री (एफ एफ एम) श्री मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल रुमैही ने 5 जून 2014 को दिल्ली का दौरा किया तथा सचिव (पूर्व) श्री अनिल वाधवा के साथ विदेश कार्यालय परामर्श (एफ ओ सी) का आयोजन किया और विदेश मंत्री से मुलाकात की। विदेश मंत्री ने 5 जून 2014 को अल रुमैही से एक फोन कॉल प्राप्त किया था। सचिव (पूर्व) ने रमजान के पवित्र माह के दौरान 9 जुलाई 2014 को दोहा का दौरा किया था। उन्होंने ए एफ एम अल रुमैही तथा अमीर के राजनीतिक सलाहकार से मुलाकात की और क्यू पी एम से भेंट की। अप्रैल 2015 में अपराध निवारण तथा आपराधिक न्याय पर 13वीं संयुक्त राष्ट्र कांग्रेस (यू एन सी सी पी सी जे) के लिए भारतीय शिष्टमंडल के नेता के रूप में दोहा की अपनी यात्रा के दौरान विधि एवं न्याय मंत्री श्री डी वी सदानंद गौड़ा ने कतर के न्याय मंत्री डा. हसन बिन लहदनान अल हसन अल मोहन्नादी से मुलाकात की। कतर के परिवहन मंत्री तथा कतर अमीर एयरफोर्स के कमांडर ने फरवरी 2015 में बंगलुरू में एयरो इंडियन एग्जिबिशन में भाग लिया।

रक्षा : नवंबर 2008 में पूर्व प्रधानमंत्री की कतर यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित भारत - कतर रक्षा सहयोग करार जिसकी अवधि 2013 में 5 साल के लिए बढ़ाई गई है, को संयुक्त रक्षा सहयोग

समिति (जे डी सी सी) के माध्यम से कार्यान्वित किया जा रहा है, जिसकी चौथी बैठक 6 और 7 जनवरी 2015 को दिल्ली में हुई थी। भारत सरकार ने जनवरी 2014 में भारतीय दूतावास, दोहा में एक रेजीडेंट रक्षा अताशे की तैनाती की है। कतर के साथ हमारे रक्षा सहयोग के तहत प्रशिक्षण, एक दूसरे के सम्मेलनों / कार्यक्रमों में भागीदारी तथा भारतीय नौसेना एवं तटरक्षक के जलयानों की यात्राएं शामिल हैं। भारतीय नौसेना के पश्चिमी बेड़े ने सितंबर 2013 में और पुन: सितंबर 2015 में दो जलयानों को कतर की सद्भावना यात्रा पर भेजा था तथा तटरक्षक के दो जलयानों ने फरवरी 2013 और दिसंबर 2014 में कतर का दौरा किया था। चौथे जे डी सी सी के अनुवर्तन के रूप में कतर तटरक्षक के एक स्कोपिंग डेलीगेशन ने 21 से 25 फरवरी 2015 के दौरान भारत का दौरा किया तथा जोआन बिन जासिम कंमाड और स्टाफ कालेज से एक टीम ने अप्रैल 2015 में भारत का दौरा किया। दोनों पक्ष रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए उत्सुक हैं।

वाणिज्यिक संबंध :

जैसा कि भारत एल एन जी के अपने वैश्विक आयात का लगभग 80 प्रतिशत कतर से आयात करता है (भारत के पेट्रोनेट और कतर के रास गैस के बीच एक दीर्घावधिक करार के तहत 7.5 मिलियन टन प्रति वर्ष का वार्षिक आयात, इसके अलावा कुछ स्पाट परचेज भी किया जाता है), और कतर से एथिलीन, प्रोपीलीन, अमोनिया, यूरिया तथा पोलीथिलीन का भी आयात करता है, इसलिए व्यापार संतुलन कतर के पक्ष में बहुत अधिक झुका हुआ है। तथापि पिछले दो वर्षों में भारत के निर्यात में काफी वृद्धि हुई है तथा 2013-14 में लगभग 17 बिलियन अमरीकी डालर के द्विपक्षीय व्यापार में भारत के निर्यात का मूल्य लगभग 1 बिलियन अमरीकी डालर था जो 2012-13 के निर्यात के आंकड़ों (687 मिलियन अमरीकी डालर) से 45 प्रतिशत अधिक है। 2014-15 में भारत का निर्यात एक बिलियन अमरीकी डालर से अधिक हो गया (1056 मिलियन अमरीकी डालर), हालांकि 2013-14 में कतर की ओर से 15.7 बिलियन अमरीकी डालर मूल्य के भारत को निर्यात के घटकर 2014-15 में 14.6 बिलियन अमरीकी डालर हो जाने के कारण द्विपक्षीय व्यापार घटकर 15.7 बिलियन अमरीकी डालर पर आ गया। भारत की ओर से जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से मशीनरी एवं उपकरण, परिवहन उपकरण, लोहा या इस्पात की वस्तुएं, प्लास्टिक तथा प्लास्टिक से बनी वस्तुएं, निर्माण सामग्री, विद्युत एवं इलेक्ट्रानिक वस्तुएं, टेक्सटाइल और गारमेंट, रसायन, बहुमूल्य पत्थर, रबर एवं मसाले तथा अनाज शामिल हैं। जापान और दक्षिण कोरिया के बाद भारत कतर के लिए तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है तथा कतर के आयात के लिए भारत 10वें स्थान पर है।

दोनों ही देश ऊर्जा, व्यवसाय, वित्त एवं निवेश, अवसंरचना, शिक्षा एवं अनुसंधान, खेल, यात्रा एवं पर्यटन तथा अन्य क्षेत्रों में अपने परस्पर लाभ के लिए सहयोग का विस्तार करने के इच्छुक हैं। आधिकारिक स्तर पर बातचीत के अलावा जन दर जन संपर्क तथा निजी क्षेत्र की पहलें विभिन्न क्षेत्रों में वार्ता एवं सहयोग को ऊर्जा प्रदान कर रही हैं।

भारत का कारपोरेट जगत कतर में व्यवसाय के अधिकाधिक अवसरों का पता लगा रहा है। विशेष रूप से निर्माण / अवसंरचना तथा आई टी क्षेत्र में भारत की अनेक प्रतिष्ठित कंपनियों के कतर में प्रचालन हैं जिनमें एल एण्ड टी; पुंज लॉयड; शपूरजी पालोनजी; वोल्टाज; टी सी एस; विप्रो; महिंद्रा टेक; एच सी एल; आदि शामिल हैं। कतर वित्तीय केन्द्र अथवा कतर में निजी एक्सचेंज हाउस के तहत एस बी आई, आई सी आई सी आई तथा अन्य भारतीय बैंकों के सीमित प्रचालन हैं; हम पूर्ण प्रचालन के लिए अपने बैंकों के अनुरोधों पर लगातार काम कर रहे हैं।

मार्च 2015 में अमीर की भारत यात्रा के दौरान अयाना रिजार्ट (लीला ग्रुप का हिस्सा) तथा फैजल होल्डिंग के बीच हस्ताक्षरित एम ओ यू के अनुसरण में दोनों साझेदार प्रत्येक द्वारा 50 प्रतिशत निवेश से दोहा के वेस्ट बे एरिया में एक गगनचुंबी लग्जरी अपार्टमेंट कम्प्लेक्स का निर्माण कर रहे हैं। अमीर की यात्रा के दौरान भारत के वेदांता का साथ मिलकर कतर में एक मल्टी स्पेसियलिटी अस्पताल स्थापित करने के लिए एक अन्य एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए।

आर्थिक क्षेत्र में पिछले डेढ़ वर्षों में कतर के साथ हमारे द्विपक्षीय सहयोग में अनेक उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई हैं। अर्थ एवं वाणिज्य मंत्रालय में अवर सचिव श्री सुल्तान अल खातेर के नेतृत्व में एक 18 सदस्यीय संयुक्त शिष्टमंडल ने 25 और 26 मार्च 2014 को नई दिल्ली का दौरा किया जिसने आर्थिक साझेदारी पर बल दिया। कतर में अवसंरचना एवं आई टी क्षेत्र में मौजूद भारतीय कंपनियों के कारोबारी प्रचालन में विस्तार हुआ है जिसमें गोल्ड लाइन मेट्रो वक्रा बाईपास हाइवे जैसी प्रतिष्ठित परियोजनाएं शामिल हैं जो लार्सन एण्ड टर्बो को सौंपी जा रही हैं। 45 भारतीय कंपनियों ने 12 से 15 मई 2014 के दौरान दोहा में परियोजना कतर प्रदर्शनी (पी क्यू ई) में भाग लिया; 4 से 7 मई 2015 के दौरान आयोजित पी क्यू ई में यह संख्या बढ़कर 60 हो गई। वाइब्रेंट गुजरात नामक कारोबारी शिष्टमंडल ने 3 से 5 सितंबर 2014 के दौरान दोहा का दौरा किया। दूतावास ने प्रधानमंत्री के मेक इन इंडिया अभियान के शुभारंभ के अवसर पर 25 सितंबर 2014 को दोहा में 3 कारोबारी एवं निवेश कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें कतर के अनेक कारोबारियों / निवेशकों ने भाग लिया। नैसकाम के एक 20 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 18 और 19 मार्च 2015 को दोहा का दौरा किया। दूतावास इस समय 20 और 21 अक्टूबर 2015 को सी आई आई के निर्वाचित अध्यक्ष के नेतृत्व में सी आई आई व्यवसाय मिशन की कतर यात्रा के लिए तैयारी में जुटा है।

भारत में प्रमुख कारोबारी सम्मेलनों में कतर से भी उत्साहवर्धक भागीदारी हुई है - 26 और 27 नवंबर 2014 को नई दिल्ली में चौथा भारत - अरब साझेदारी सम्मेलन; 11 से 13 जनवरी 2015 के दौरान गांधी नगर, गुजरात में वाइब्रेंट गुजरात शिखर बैठक; 15 से 17 जनवरी 2015 के दौरान जयपुर, राजस्थान में साझेदारी शिखर बैठक 2015; 3 फरवरी 2015 को नई दिल्ली में ब्लैक रॉक इंडिया इनवेस्टर समिट (जिसमें कतर के पूर्व प्रधानमंत्री शेख हमाद बिन जैसिम बिन जबर अल थानी ने भी भाग लिया था) तथा 18 से 22 फरवरी 2015 के दौरान बंगलुरू में एयरो

इंडिया।

हालांकि भारत में कतर के एफ डी आई की वर्तमान मात्रा साधारण है, कतर की संप्रभु संपदा निधि (कतर निवेश प्राधिकरण) (क्यू आई ए) तथा राज्य की स्वामित्व वाली अन्य संस्थाएं और कतर के निजी निवेशक भी रीयल एस्टेट / निर्माण, सड़क / राज्य मार्ग, हवाई अड्डा / एयरलाइंस, बंदरगाह; एल एन जी, पेट्रो रसायन तथा उर्वरक और पर्यटन / अतिथि सत्कार सहित विभिन्न क्षेत्रों में भारत में निवेश के आकर्षक विकल्पों की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे हैं।

भारत की निवेश संबंधी विशाल आवश्यकता (अकेले अवसंरचना क्षेत्र में अगले 5 वर्षों में एक ट्रिलियन अमरीकी डालर की आवश्यकता) तथा निवेश अनुकूल नीतियों के अलावा अपने वैश्विक पोर्टफोलियो में विविधता लाने के लिए कतर निवेश प्राधिकरण की उत्सुकता को देखते हुए भारत में कतर निवेश प्राधिकरण के लिए अपने निवेश में पर्याप्त वृद्धि करने की विशाल संभावना है। मिशन कतर निवेश प्राधिकरण तथा कतर में राज्य के स्वामित्व वाली तथा अन्य निजी स्वामित्व वाली संस्थाओं के साथ सक्रियता से काम कर रहा है तथा वर्तमान सरकार की नई नीतियों एवं पहलों जैसे कि मेक इन इंडिया तथा निवेश गंतव्य के रूप में भारत के अनोखे लाभों को उजागर कर रहा है।

दूतावास के तत्वावधान में काम करने वाला भारतीय व्यवसाय एवं पेशेवर नेटवर्क (आई बी पी एन) दोनों पक्षों के बीच व्यापार एवं निवेश को प्रोत्साहित करने में सक्रिय है। भारत - कतर व्यवसाय मंच की हाल ही में स्थापना एक अन्य सकारात्मक उपलब्धि है जिसमें अनेक भारतीय कंपनियों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों तथा कतर चैंबर आफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री द्वारा नामित कतर के कारोबारियों को शामिल किया गया है।

सांस्कृतिक संबंध

भारत और कतर के बीच सांस्कृतिक संबंध बहुत गहन हैं तथा दोनों पक्ष इसे सक्रियता से पोषित कर रहे हैं। कतर के नागरिक भारत की सांस्कृतिक विविधता के प्रशंसक हैं। भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र (आई सी सी) से संबद्ध सामुदायिक संगठनों, भारतीय दूतावास, दोहा के तत्वावधान में काम करने वाले भारतीय समुदाय के संघों के शीर्ष निकाय तथा निजी प्रायोजकों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए भारतीय कलाकार नियमित रूप से कतर का दौरा करते हैं और अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं। दूतावास के सहयोग एवं समर्थन से भारतीय सांस्कृतिक केन्द्र ने नवंबर 2013 तथा मार्च 2015 में बड़े पैमाने पर एक सामुदायिक महोत्सव का आयोजन किया था जिसका शीर्षक था 'ए पैसेज टू इंडिया' जिसका उद्देश्य भारत को सम्मिलित रूप में प्रस्तुत करना था अर्थात भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता के अलावा विभिन्न क्षेत्रों में भारत की उपलब्धियों एवं ताकतों को प्रदर्शित करना था। सितंबर - अक्टूबर 2014 तथा अगस्त 2015 में दूतावास द्वारा दोहा में आयोजित आई सी सी आर द्वारा भारत के इस्लामी स्मारकों पर प्रायोजित फोटो प्रदर्शनी तथा कथक परफार्मेंस की बहुत सराहना की गई। पिछले दो वर्षों में कतर फोटोग्राफिक

सोसाइटी द्वारा आयोजित युवा फोटोग्राफरों द्वारा भारत पर प्रदर्शनियां भी बहुत लोकप्रिय रही हैं। दोहा फिल्म संस्थान के वार्षिक फिल्म महोत्सव में आमतौर पर कुछ भारतीय फिल्मों / वृत्तचित्रों को दिखाया जाता है। हाल के महीनों में पर्यटन तथा खेल से संबंधित अनेक दौरों / कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ है जिसमें भारतीय पर्यटन पर सेमिनार तथा प्रमुख एथिलेटिक्स, बाक्सिंग, वॉलीबाल तथा कुश्ती एवं अन्य टूर्नामेंटों में भारतीय टीमों की भागीदारी शामिल है।

कतर में 14 भारतीय स्कूल हैं जो 30 हजार से अधिक छात्रों को सी बी एस ई पाठ्यचर्या प्रदान कर रहे हैं, जिनमें से अधिकांश कतर में काम करने वाले भारतीय नागरिकों के बच्चे हैं।

दोनों देशों ने अप्रैल 2012 में पूर्व अमीर की भारत यात्रा के दौरान एक सांस्कृतिक सहयोग करार पर हस्ताक्षर किया था। कतर ने 2019 में भारत - कतर संस्कृति वर्ष मनाने का प्रस्ताव रखा है।

योग : संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संकल्प के लिए सह प्रायोजक के रूप में कतर के समर्थन के लिए भारत कतर की दिल से प्रशंसा करता है, जहां 177 सह प्रायोजकों के साथ संकल्प को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया तथा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया तथा भारत कतर में पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को मनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी कतर का धन्यवाद करता है। कतर के सह प्रायोजक बनने के लिए धन्यवाद देने वाला प्रधानमंत्री का कतर के प्रधानमंत्री (क्यू पी एम) को लिखा गया पत्र 12 फरवरी 2015 को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार द्वारा दोहा में क्यू पी एम को प्रस्तुत किया गया। हम इस अवसर पर एक संस्मारक डाक टिकट जारी करने के लिए कतर सरकार एवं कतर के डाक विभाग के आभारी हैं।

भारतीय समुदाय

कतर में भारतीय नागरिकों में मुख्य रूप से प्रवासी समुदाय शामिल हैं तथा वे दवा, इंजीनियरिंग, शिक्षा, वित्त पोषण, बैंकिंग, व्यवसाय, मीडिया तथा रम सहित विविध श्रेणी के पेशों से जुड़े हैं। अपनी ईमानदारी, कड़ी मेहनत, योग्यता तथा कतर के विकास एवं प्रगति में योगदान के लिए उनका बहुत आदर किया जाता है।

सक्रिय ढंग से कतर में भारतीय समुदाय तक पहुंचना, समावेशी ढंग से मदद करना तथा उनकी सेहत एवं कल्याण का सुनिश्चय करना दूतावास की सर्वोपरि प्राथमिकताएं हैं। हम भारी संख्या में भारतीय मजदूरों के प्रति अपने कर्तव्यों को लेकर विशेष रूप से सजग हैं, जो अपना पसीना बहाकर कतर की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। भारतीय समुदाय से अनेक स्वयं सेवक भी हमारे मजदूरों की मदद कर रहे हैं, मुख्य रूप से भारतीय समुदाय कल्याण मंच (आई सी बी एफ) के माध्यम से, जो भारतीय दूतावास, दोहा के तत्वावधान में काम कर रहा है - आई सी बी एफ को जनवरी 2011 में प्रवासी भारतीय सम्मान से नवाजा गया था। श्रम एवं जनशक्ति विकास पर दोनों देशों के बीच एक संयुक्त कार्य समूह है जिसकी पिछली (तीसरी) बैठक दोहा में अगस्त

2015 में हुई थी। हम अपने मजदूरों तथा अन्य नागरिकों के कल्याण के संबंध में कतर में संबंधित प्राधिकरणों से घनिष्ठ संपर्क बनाए हुए हैं तथा उनके सहयोग एवं समर्थन की सराहना करते हैं। हम कतर सरकार द्‌वारा शुरू किए गए श्रम सुधारों की प्रक्रिया का स्वागत करते हैं तथा आशा करते हैं कि जिन कदमों पर विचार हो रहा है उनको तेजी से कार्यान्वित किया जाएगा।

दूतावास के कोंसुलर तथा श्रम एवं समुदाय कल्याण सेवाओं पर अधिक विस्तृत जानकारी दूतावास की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, दोहा की वेबसाइट :
www.indianembassyqatar.gov.in

भारतीय दूतावास, दोहा का ट्‌विटर हैन्डल :
https://twitter.com/IndEmbDoha

भारतीय दूतावास, दोहा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/IndianEmbassyQatar

भारतीय दूतावास, दोहा का यूट्‌यूब एकाउंट :
www.youtube.com/user/indianembassybaku

***

अक्टूबर, 2015